प्रेस विज्ञप्ति

दिनॉक 05/12/2017

आज के कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट, मा0 कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा के0के0 गुप्ता ओरेशन अवार्ड की प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ। उन्होने 'आइडन्टीफिकेशन आफ नोवल बायोमार्कर आफ हूमन युरिनली ब्लैडर कैंसर युजिंग हाई डेन्सटी ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड माइक्रोएरे'' के के विषय पर जानकारी दी। मा0 कुलपति जी ने बताया कि महिला और पुरूष दोनो में ब्लैडर कैंसर की समस्या बराबर अनुपात मे होती है। मूत्राशय के कैंसर की जल्द पहचान और उस पर निगरानी के लिए प्रोटीन और सेल आधारित यूरीन बायोमार्कर का उपयोग किया जा सकता है। ये दो प्रकार के होते है High-density Oligonucleotide एवं Microarray इन मार्कारो की सहयाता से इस बीमारी को मॉलिक्यूल के अधार पर जल्द पहचान कर इसका प्रभावि उपचार किया जा सकता है। पुरूषों और महिलाओं में यूरिनरी ब्लैडर को पहचानने के लिए बहुत सारे मॉलिक्यूल की जांच कर इनका पता लगाया जाता है।

इसके बाद डा0 टी0एन0 पट्टाभीरमान ओरेशन पुरस्कार प्रा0 टी0 मालती, हैदराबाद ने पेश किया। उन्होने ''फोर्स आन इण्डियन नारमेटिव क्लीनिकल लैबोरटरी पैरामीटर्स'' पर अपना व्यख्यान प्रस्तुत किया। ए0सी0बी0आई0कान0- 2017 की आयोजन समिति ने आज कुल 12 संगोष्ठीयो का आयोजन किया।

संगोष्ठीया ''रिपरोडक्टिव बायोलोजी/कॉर्पोरेट प्रजेन्टेशन'', रेनल एण्ड लीवर डिसीज'', ''आई0एफ0सी0सी0-2'', ''कन्पनटेन्सिव इन बायोकेमिस्ट्री '', रोल ऑफ न्यूटीशनल फैक्टर इन हेल्थ एण्ड डिसीज'' विषयो पर आयोजित की गयीं। आज के कुछ प्रमुख वक्ता जिन्होने अपना व्यख्यान प्रस्तुत किया जिनमें से डा0 एस0एम0 हडी, बायोकेमिस्ट्री विभाग, अलीगढ़ ने '' ए प्रो-ऑक्सीडेन्ट मकैनिज्म आफ कैन्सर चेमोप्रिवेन्ट प्रॉपर्टीज ऑफ प्लांट पॉलीफेनोल' पर अपना व्यख्यान दिया। डा0 राजीव इरमासस, कैप टाउन, साउथ अफ्रीका ने ''एडवान्सड ग्लाइकेशन इन्ड प्रोड्यूस ऐस बायोमार्कर इन डाइबटीज एण्ड इट्स कम्पलीकेसन्स'' के बारे में बात की।

ऑस्ट्रेलिया के डा0 हेलन मार्टिन ने ''इन्टरप्रीटेशन आफ आइरल स्टेटस'' पर अपना व्यख्यान प्रस्तुत किया। डा0 लिंडसे ब्राउन ने 'ट्रोपिकल फूड ऐस फन्शनल फूड फार मेटाबोलिक सिन्ड्रोम, नीदरलैण्ड के डा0 हरि शर्मा ने ''एन्जोजेनिस ग्रोथ फेक्टर इन दा हार्ट : एन एन्डोजेनस रूट फार कारडिक प्रजरवेटिव' पर अपना वयख्यान प्रस्तुत किया। डॉ0 हरि ने बताया की भारत मे लोगो की बदलती जीवन शैली की वजह से हार्ट अटैक का रेट बढ़ रहा है। दुनिया मे सबसे ज्यादा भारत मे हार्ट से सम्बंधित बीमारिया होती है और हार्ट अटैक का रेट भी यहा सबसे ज्यादा है। पश्चिमि देशों मे यह बीमारी 50 से 60 वर्श के लोगो मे होती है जबकि भारत में यह 30 से 40 वर्श के लोगो में भी बहुतायत मे हो रही है। हार्ट की बीमारी से बचने के

लिए अपनी जीवन चर्या में सुधार कर, रोजाना कसरत करके इस बीमारी से बचा जा सकता है। भारतीय लोगो में अनुवांशिाक रूप से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा ज्यादा होता है तथा इसको योग और रेगुलर एक्सर साईज से सही किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त अन्य वक्ताओं डा0 वी0के0 मिश्रा, यू0ए0ई0, द्वारा बताया गया कि हार्ट अटैक आने पर इसका पता इसीजी और ट्राप्टी की जांच कराने पर चलता है कि मरीज को हार्ट अटैक आया है कि नही। अगर किसी मरीज को हार्ट अटैक आता तो उकसे रक्त में 1 से 3 घण्टे के अंदर ट्रोपोनाईन की मात्रा बढ़ने लगती है। ये दो प्रकार की होती है जिसमे हाई सेसटीव ट्रोपोनिन की जांच ज्यादा प्रभाव-ाली होती है। यो :ारीर में दो से चार घण्टे में बढ़ जाता है। डा0 हॉवर्ड मॉरिस, आस्ट्रेलिया, डा0 टॉमरीस ओजबेन, तुर्की, डा0 बर्नार्ड गौगेट, फ्रान्स डा0 हेलेन मार्टिन, आस्ट्रेलिया तथा मैसूर की डा0 एलिजाबेथ फ्रैंक ने अपना व्यख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में डॉ0 सुबीर कुमार दास, प्रोफेसर, बायोकेमिस्ट्री विभाग, मेडिसिनि एण्ड जेएनएम हास्पिटल, कल्यान वेस्ट बंगाल द्वारा ।सबवीवसपब स्पअमत क्पेमेंमरू च्ंजीवहमदमेपेए ठपवबीमउपबंस डंतामते ंदक ज्तमंजउमदज के उपर व्याख्यान दिया गया। प्रो0 दास ने बताया कि 4 से 6 प्रतिशात लोगो एल्कोहलिक लिवर की बीमारी से ग्रसित होते हैं। ये ऐसे मरीज होते है जो रोजाना शराब का सेवन करते है किन्तु उचित मात्रा में न्यूट्रिशन और एन्टी ऑक्सीडेन्ट नही ले पाते है। ये बीमारी शराब पिने वाले केवल 5 से 10 प्रतिशत लोगो में होती है। इसकी जांच के लिवर फंक्शन टेस्ट किया जाता है जिसमें ए0एसटी0 और ए0एल0टी0 के अनुपात का जांच कर पता लगाया जा सकता है की किसको एल्कोहलिक लिवर की बीमारी है। इसमे ए0एस0टी0 की मात्र शरीर मे बहुत ज्यादा बढ़ जाती ए0एल0टी0 की तुलना में। एल्कोहल का सेवन करने वाले लोगो को अपने खान पान पर बहुत ज्यादा ध्यान देना चाहिए उन्हे पोशण और एण्टी ऑक्सीडेण्ट से भरे भोज्य पदार्थ को खाना चाहिए, वीटामिन इ का सेवन ज्यादा करना चाहिए।

कार्यक्रम में डॉ0 तारीक एम0 हक् ने बताया कि बायकेलिन एक मॉलीक्यूल होता है जो चिन में एक के पाये जाने वाले एक पौधो स्कैल्प कैप की जड़ मे पाया जाता है। यह मॉलीक्यूल आस्टियोपोरोसिस के उपचार और इसके प्रबंधन मे बहुत उपयोगी है।

कार्यक्रम में पोस्टर प्रस्तुति सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें 120 से अधिक प्रतिभागियो ने बायोकेमिस्ट्री के क्षेत्र में अपने शोध कार्यो को प्रस्तुत किया। डा0 मृदुला महाजन, अमृतसर, डा0 सविता यादव, नई दिल्ली, डा0 श्रद्धा सिंह, लखनऊ, डा0 शशिकांत निकम, बेलगावी, डा0 सीमा भार्गव, नई दिल्ली और लखनऊ के डा0 सोहेल अहमद पोस्टर सत्र के अध्यक्ष थे।

ए0सी0बी0आई0कान0 की जनरल बाडी मीटिंग भी शाम को आयोजित की गई थी।